



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-23122023-250864
CG-DL-E-23122023-250864

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 730]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 23, 2023/पौष 2, 1945

No. 730]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 23, 2023/PAUSHA 2, 1945

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 2023

सा.का.नि. 914(अ).—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 2011 (2011 का 11) की धारा 24 की उपधारा (2) के खंड (घ) और खंड (ड.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.-

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सिक्का निर्माण (खरतरगच्छ सहस्राब्दि, संस्थापक : जैनाचार्य श्री जिनेश्वरसूरी, के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी करना) नियम, 2023 है।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सिक्के का मूल्यवर्ग.- खरतरगच्छ सहस्राब्दि, संस्थापक : जैनाचार्य श्री जिनेश्वरसूरी, के अवसर पर केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी करने के लिए एक हजार रुपये मूल्य वर्ग का सिक्का ढाला जाएगा।

3. सिक्के की विमाण और संरचना.- नियम 2 में उल्लिखित मूल्य वर्ग के सिक्के, निम्नलिखित विमाओं और संरचना के अनुरूप होंगे, अर्थात्:-

सिक्के का मूल्य वर्ग	आकार और बाह्य व्यास	दांतेदार किनारे की संख्या	धातु संयोजन
(1)	(2)	(3)	(4)
एक हजार रुपये	वृत्ताकार 44 मिलीमीटर	200	शुद्ध चांदी चांदी – 99.9 प्रतिशत

4. डिज़ाइन.- सिक्के का डिज़ाइन वह होगा जो इन नियमों की पहली अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट है।

5. मानक वजन और अनुज्ञात उपचार.- खरतरगच्छ सहस्राब्दि, संस्थापक : जैनाचार्य श्री जिनेश्वरसूरी, के अवसर पर स्मरणोत्सव मनाने के लिए नियम 2 में उपरोक्त मूल्य वर्ग के ढाले गए सिक्के का मानक वजन और ऐसे सिक्के को बनाने में अनुज्ञात उपचार वह होगा जो इन नियमों की दूसरी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट है।

पहली अनुसूची
(नियम 4 देखें)

एक हजार रुपये

अग्र भाग:

सिक्के के इस भाग पर मध्य में अशोक स्तम्भ का सिंह स्तम्भ शीर्ष होगा, जिसके नीचे “सत्यमेव जयते” लेख उत्कीर्णित होगा, उसकी बाईं परिधि पर देवनागरी लिपि में “भारत” शब्द और दाईं परिधि पर अंग्रेजी में “INDIA” शब्द होगा। सिंह स्तम्भ शीर्ष के नीचे रुपये का प्रतीक “₹” और अंतर्राष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य “1000” भी होगा।

पृष्ठ भाग:

सिक्के के अग्र भाग पर जैनाचार्य श्री जिनेश्वरसूरी का चित्र होगा। श्री जिनेश्वरसूरी के चित्र के निचले भाग में, हिंदी में “खरा सो खरतर” और अंग्रेजी में, “PURE RIGHTEOUSNESS” मुद्रित होगा। इसके नीचे वर्ष ‘2023’ उत्कीर्ण होगा। सिक्के के ऊपरी परिधि पर देवनागरी में “खरतरगच्छ सहस्राब्दी” एवं “संस्थापक : जैनाचार्य श्री जिनेश्वरसूरी” उत्कीर्ण होगा तथा निचली परिधि पर अंग्रेजी में “KHARTARGACHHA MILLENNIUM” एवं “FOUNDER : JAINACHARYA SHRI JINESHWAR SURI” उत्कीर्ण होगा।

दूसरी अनुसूची
(नियम 5 देखें)

सिक्के का मूल्यवर्ग	मानक वजन	अनुज्ञात उपचार	
		संयोजन में	मानक वजन में
(1)	(2)	(3)	(4)
एक हजार रुपये	40 ग्राम	प्रति 1000 में रजत का 999 भाग। रजत अंश के लिए छूट 998.8 तथा उससे उपर होगी।	1/8000वां हिस्सा जमा या घटा अर्थात् वजन 39.995 ग्राम से 40.005 ग्राम तक हो सकता है।

[फा. सं. 02/17/2022- सिक्का]

अपर्णा भाटिया, सलाहकार

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economics Affairs)
NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd December, 2023

G.S.R. 914 (E).—In exercise of the powers conferred by clauses (d) and (e) of sub-section (2) of section 24 of the Coinage Act, 2011(11 of 2011), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. **Short title and commencement.**- (1) These rules may be called the Coinage (Issue of Commemorative Coin on the occasion of Khartargachha Millennium, Founder Jaincharya Shri Jineshwar Suri) Rules, 2023.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Denomination of coin.**- The coin of One Thousand Rupees denomination shall only be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government on the occasion of Khartargachha Millennium - Founder Jaincharya Shri Jineshwar Suri.

3. **Dimension and composition of coin.**- The denomination of the coin mentioned in rule 2 shall conform to the following dimensions and composition, namely:-

Denomination of the coin	Shape and outside diameter	Number of serrations	Metal composition
(1)	(2)	(3)	(4)
One Thousand Rupees	Circular 44 millimeter	200	Pure Silver Silver - 99.9 per cent

4. **Design.**- The design of the coin shall be as specified in the First Schedule to these rules.

5. **Standard weight and remedy allowed.**- The standard weight of the coin of denomination referred in rule 2 shall be coined to commemorate the occasion of Khartargachha Millennium - Founder Jaincharya Shri Jineshwar Suri and the remedy allowed in making of such coin shall be as specified in the Second Schedule to these rules.

THE FIRST SCHEDULE

[See rule 4]

ONE THOUSAND RUPEES

OBVERSE:

This face of the coin shall bear the Lion Capitol of Ashoka Pillar in the centre with the legend “सत्यमेव जयते” inscribed below, flanked on the left periphery with the word “भारत” in Devnagri script and on the right periphery with the word “INDIA” in English. It shall also bear the Rupee symbol “₹” and denominational value “1000” in the international numerals below the Lion Capitol.

REVERSE:

The face of the coin will bear the image of Jaincharya Shri Jineshwar Suri. At the bottom of the image of Jaincharya Shri Jineshwar Suri, text in Hindi, “खरा सो खरतर”, and in English, “PURE RIGHTEOUSNESS”, shall be inscribed. Below this text, the year “2023” shall be inscribed. The text “खरतरगच्छ सहस्राब्दी” and “संस्थापक : जैनाचार्य श्री जिनेश्वरसूरी” shall be inscribed in Devnagari script on the upper periphery and the text “KHARTARGACHHA MILLENNIUM” and “FOUNDER : JAINACHARYA SHRI JINESHWAR SURI” in English shall inscribed on the lower periphery of the coin.

THE SECOND SCHEDULE

[See rule 5]

Denomination of the coin	Standard weight	Remedy allowed	
		In composition	In standard weight
(1)	(2)	(3)	(4)
One Thousand Rupees	40 Grams	999 parts of silver per 1000. The tolerance for Silver content shall be 998.8 and above.	1/8000 th plus or minus that is to say weight could be 39.995 grams to 40.005 grams.

[F. No. 02/17/2022-Coin]

APARNA BHATIA, Adviser